Bharat Temples

ठुकराओ या स्वीकार करो

ठुकराओ या स्वीकार करो मैं शरण में हु,
दुत्कारो या आके प्यार करो मैं शरण में हु,

एहसान फरामोश गुनेगार हु बड़ा,
मारो या भव से पार करो मैं शरण में हु,
ठुकराओ या स्वीकार करो...

सुनते है डूबते को तेरा नाम तार ता,
कश्ती मेरी भी पार करो मैं शरण में हु,
ठुकराओ या स्वीकार करो..

फट सा गया है दामन दर दर पसार के,
सी दो या तार तार करो मैं शरण में हु,
ठुकराओ या स्वीकार करो.....

लायक नहीं है सूरज फिर भी कह रहा,
एक बार एतबार करो मैं शरण में हु,
ठुकराओ या स्वीकार करो.....

Source:
https://www.bharattemples.com/thukarao-ya-savikaar-karo-main-sharn-me-hu-dud kaaro-ya-aake-pyar-karo-main-sharn-me-hu/

Complete Bhajans Collections - Download Free Android App
https://play.google.com/store/apps/details?id=com.numetive.bhajans

Facebook: https://www.facebook.com/bharattemples/
Telegram: https://t.me/bharattemples
Youtube: https://www.youtube.com/channel/UC24oJCxZJyhhKzSUD-Lt9Tw